# डॉ. परशुराम शुक्ल के बाल काव्य में पर्यावरण संरक्षण

हिन्दी विभाग

(कला संकाय)

पीएच.डी उपाधि हेतु

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

को प्रस्तावित

शोध-प्रबन्ध की रूपरेखा


शोध निर्देशिका :
**डॉ. शची रानी दुबे**
व्याख्याता
हिन्दी विभाग,
श्री गोविन्द सिंह गुर्जर
राजकीय महाविद्यालय,
नसीराबाद, अजमेर

शोधकर्त्री :
**सरोज शर्मा**


महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
२०१५-१६

# TITLE OF THE RESEARCH WORK

## Environmental Conservation in
## Dr. Parshuram Shukla's Children's Poetry

# LOCATION

A. (Institution / Department
Where the work is to be done)

*श्री गोविन्द सिंह गुर्जर राजकीय महाविद्यालय,*
*नसीराबाद, अजमेर*

Shree Govind Singh Gurjar Government College
Nasirabad, Ajmer

B. (Geographical Area of Investigation, if Any)

*हिन्दी साहित्य विषय में लागू नहीं है।*

Is Not Applicable in Hindi Literature

# Importance of Proposed Research Work

*मानव अपने स्वार्थ के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन करने में लगा है। हरे वृक्षों को काटना, पहाड़ों को तोड़ना, सुरंग बनाना, गैस उत्सर्जन आदि से पर्यावरण में असन्तुलन आता है जिसकी परिणति भूकम्प, बाढ़, सूखा, सुनामी, वायु प्रदूषण आदि के रूप में हमारे समक्ष आती है और मनुष्य को उसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ते हैं। इस विनाशकारी विपत्ति से बचने के लिये अब अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रयास किये जा रहे हैं।*

*ऐसी स्थितियों ने साहित्यकारों की संवेदनाओं को भी विचलित किया। साहित्य मनुष्य को जड़ से चेतन की ओर ले जाता है। बाल्यावस्था से ही बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता के बीज परिवार, समाज तथा साहित्य के द्वारा ही रोपित किए जा सकते हैं। इस बात को ध्यान में रखकर अनेक साहित्यकारों ने बाल साहित्य विभिन्न विधाओं में रचा है।*

*आज के बच्चे राष्ट्र के भावी नागरिक हैं। इनके स्वर्णिम भविष्य की कल्पना हम तभी कर सकते हैं जब ये नन्हें पौधे सही ढंग से पुष्पित व पल्लवित होंगे। एक स्वर्णिम राष्ट्र की कल्पना भी हम तभी कर पाएँगे जब हम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहेंगे।*

*आज हमारे समक्ष अनेक चुनौतियाँ हैं। इन चुनौतियों को ध्यान में रखकर साहित्य सृजन करना होगा। जहाँ हम बाल साहित्य में मनोरंजन, वैज्ञानिक सोच तथा वैचारिक खुलेपन की बात करते हैं, वहीं साहित्यकारों को पर्यावरण के प्रति भी चिंतनशील होकर बाल सुलभ मनोभाव को ध्यान में रखते हुए अपनी कलम चलानी होगी।*

*आज के बाल-साहित्यकार ऐसा कर भी रहे हैं। इसीलिए बाल काव्य में पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व को समझते हुए मैंने इस विषय को अपने शोध कार्य हेतु चुना।*

# Review Of Work Already Done On The Subject Of Proposed Research Study

*अन्य कुछ विश्वविद्यालयों के वेब साइट की शोध-सूची देखने पर मुझे प्रस्तावित शोध विषय* ***'डॉ. परशुराम शुक्ल के बाल काव्य में पर्यावरण संरक्षण'*** *पर अन्य कोई शोधग्रन्थ नहीं मिला। सम्भवतः इस विषय पर मेरा शोध कार्य प्रथम होगा।*

# Research Gaps Identified In The Proposed Filed of Investigation

(Basd On The Review)

*प्रस्तावित शोध विषय **'डॉ. परशुराम शुक्ल के बाल काव्य में पर्यावरण संरक्षण'** विषय को लेकर मेरा कार्य करने का मुख्य औचित्य डॉ. परशुराम शुक्ल के बाल साहित्य में उपलब्ध पर्यावरण संरक्षण के समस्त बिन्दुओं को उजागर करना है। प्रस्तुत साहित्य समीक्षा के अन्तर्गत मुझसे पूर्व शोध कार्य नहीं हुआ है।*

# Objectives

बाल साहित्य हिन्दी साहित्य की एक महत्त्वपूर्ण विधा है। जिसकी शाखाएँ भक्तिकाल से गुजरती हुई वर्तमान में पल्लवित व पुष्पित हो रही हैं। हिन्दी साहित्य की महत्त्वपूर्ण शाखा बाल साहित्य है, जो सूरदास के सूरसागर से प्रारम्भ होकर डॉ. मुरलीधर पाण्डेय, आचार्य भगवत दुबे, अश्विनीकुमार पाठक आदि से गुजरते हुए वर्तमान में डॉ. परशुराम शुक्ल, कृष्ण वल्लभ पौराणिक, घमण्डीलाल अग्रवाल, चाँद मोहम्मद घोसी, सुरेश चन्द्र सर्वहारा आदि अनेक साहित्य शिल्पियों के हाथों सज-सँवर रहा है।

मेरा विषय है- ''डॉ. परशुराम शुक्ल के बाल काव्य में पर्यावरण संरक्षण''। इस विषय पर शोध-कार्य करने का मेरा प्रमुख उद्देश्य बाल काव्य में आगत पर्यावरण संरक्षण का शोध करना है जिसमें निम्न बिन्दु प्रमुख हैं :-

१. भूमि का दोहन।

२. बढ़ता जल संकट।

३. ऋतु परिवर्तन।

४. पशु-पक्षियों का विलुप्त होना।

५. पेड़-पौधों का संरक्षण।

६. प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण।

७. गैसों का उत्सर्जन।

८. ग्लेशियरों का पिघलना।

९. ओजोन परत में छिद्र का होना।

१०. नैतिक मूल्यों का ह्रास।

बाल साहित्यकार परशुराम की रचनाओं में मुझे पर्यावरण के प्रति उनकी चिंता एवं संरक्षण के अच्छे प्रयास दिखाई दिए। इसीलिए बाल साहित्यकारों में मैंने परशुराम शुक्लजी को अपने शोध के विषय में लिया है।

# Major Hypothesis, If any

*मुख्य परिकल्पना हिन्दी साहित्य विषय में लागू नहीं है।*

# Materials And Method / Research Methodology

प्रस्तावित अध्ययन में समस्त उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए प्रस्तुत अध्ययन में निम्न पद्धति का अनुसरण करना समीचीन होगा :-

१. विषय की रूपरेखा

२. पत्र-पत्रिकाएँ

३. प्रश्नावली का उपयोग

४. परशुराम शुक्ल जी से साक्षात्कार

५. अन्य कवियों से साक्षात्कार

६. परशुराम शुक्ल के साहित्य का अध्ययन

७. अवलोकन पद्धति का उपयोग

# Chapterwise Details of Proposed Research

**1- प्रथम अध्याय :- हिन्दी बाल साहित्य**

क) हिन्दी बाल साहित्य का उद्भव और विकास

ख) बाल साहित्य का प्रमुख विधाएँ

ग) बाल कविता

घ) बाल कविता का इतिहास

ड) बाल कविता के स्वरूप

**२. द्वितीय अध्याय :- पर्यावरण संरक्षण**

क) पर्यावरण की अवधारणा

ख) पर्यावरण प्रदूषण

ग) पर्यावरण प्रदूषण के भेद

घ) पर्यावरण प्रदूषण के दुष्परिणाम

ड) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता

च) पर्यावरण संरक्षण की उपयोगिता एवं महत्त्व

**३. तृतीय अध्याय :- परशुराम शुक्ल का व्यक्तित्व और कृतित्व**

**अ) व्यक्तित्व :**

(क) वंश एवं जन्म

(ख) शिक्षा एवं व्यवसाय

(ग) पारिवारिक जीवन

(घ) साहित्य सृजन

(ड) पुरस्कार एवं सम्मान

आ) **कृतित्व :** (क) बाल कविता

(ख) बाल कहानी

(ग) बाल उपन्यास

(घ) बाल एकांकी

(ड) बाल धारावाहिक

(च) कोश साहित्य एवं अन्य

४. चतुर्थ अध्याय :- **परशुराम शुक्ल की बाल काव्य कृतियों का समीक्षात्मक मूल्यांकन :-**

(प) मंगल ग्रह जायेंगे

(पप) हमारे प्राकृतिक प्रतीक

(पपप) आओ बच्चों गाओ बच्चों

(पअ) चारों खाने चित्त

(अ) तिरंगा

(अप) कलरव

(अपप) नंदनवन

(अपपप) सूरज पाना है

(पग) चिड़िया नीड़ बनाती

(ग) मेरा रोबो बड़ा निराला

(गप) बाल सतसई

(गपप) विजय पर्व

५. पंचम अध्याय :- **परशुराम शुक्ल के बाल काव्य में पर्यावरण संरक्षण**

(क) पर्यावरण और पर्यावरण संरक्षण।

(ख) थलचर और इनका संरक्षण।

(ग) जलचर और इनका संरक्षण।

(घ) नभचर और इनका संरक्षण।

(ड) पेड़-पौधे और इनका संरक्षण।

(च) प्राकृतिक संरचनाओं (पर्वत, जंगल, मिट्टी, हवा,

सागर,

नदी, चारागाहों आदि) का संरक्षण।

**६. षष्ठम् अध्याय :- समकालीन बाल साहित्यकार और उनके काव्य में पर्यावरण संरक्षण**

(प) आचार्य भगवत दुबे

(पप) सुरेश चन्द्र 'सर्वहारा'

(पपप) डॉ. अजय जनमेजय

(पअ) डॉ. मुरलीधर पाण्डेय

(अ) कृष्ण वल्लभ पौराणिक

**७. उपसंहार :-**

(प) मूल्यांकन

(पप) उपलब्धियाँ और सम्भावनाएँ।

# परिशिष्ट–क

# परशुराम शुक्ल के मूल ग्रन्थ

## काव्य संकलन

| क्र.सं. | कविताएँ/कृतियाँ | लेखक | प्रकाशन | प्रकाशन वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| १. | मंगल ग्रह जायेंगे | परशुराम शुक्ल | जनवाणी प्रकाशन दिल्ली | २००८ |
| २. | हमारे प्राकृतिक प्रतीक | परशुराम शुक्ल | जनवाणी प्रकाशन दिल्ली | २००६ |
| ३. | चारों खाने चित्त | परशुराम शुक्ल | जनवाणी प्रकाशन दिल्ली | २००६ |
| ४. | तिरंगा | परशुराम शुक्ल | जनवाणी प्रकाशन दिल्ली | २००६ |
| ५. | सूरज पाना है | परशुराम शुक्ल | जनवाणी प्रकाशन दिल्ली | २००६ |
| ६. | कलरव | परशुराम शुक्ल | जनवाणी प्रकाशन दिल्ली | २०१२ |
| ७. | नन्दनवन | परशुराम शुक्ल | जनवाणी प्रकाशन दिल्ली | २०१२ |
| ८. | आओ बच्चों गाओ बच्चों | परशुराम शुक्ल | जनवाणी प्रकाशन दिल्ली | २०१२ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ९. | बाल सतसई | परशुराम शुक्ल | नमन प्रकाशन<br>दिल्ली | २०१३ |
| १०. | चिड़िया नीड़ बनाती | परशुराम शुक्ल | जनवाणी प्रकाशन<br>दिल्ली | २०१६ |
| ११. | मेरा रोबो बड़ा निराला | परशुराम शुक्ल | जनवाणी प्रकाशन<br>दिल्ली | २०१६ |
| १२. | विजय पर्व | परशुराम शुक्ल | जनवाणी प्रकाशन<br>दिल्ली | २०१६ |

,,,,,

# परिशिष्ट-क
## अन्य कवियों के काव्य संकलन

| क्र.सं. | काव्य संकलन | रचनाकार | प्रकाशक | प्रकाशन वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| १. | अक्कड़ बक्कड़ हो हो हो... | डॉ. अजय जनमेजय | बाल साहित्य शोध संस्थान, आई-१२०, कीर्तिनगर, नई दिल्ली | १९९८ |
| २. | दादाजी क्या और लिखूँ | डॉ. अजय जनमेजय | अविचलन प्रकाशन 'साहित्य-पूर्वा' ३/११, हाइडिल कॉलोनी, बिजनौर, २४६७०१(उ.प्र.) | २०१४ |
| ३. | निंदिया सबसे प्यारी तू | डॉ. अजय जनमेजय | अविचलन प्रकाशन साहित्य-पूर्वा' ३/११, हाइडिल कॉलोनी, बिजनौर, २४६७०१(उ.प्र.) | २००६ |
| ४. | नन्हें पंख, ऊँची उड़ान | डॉ. अजय जनमेजय | हिन्दी साहित्य निकेतन, बिजनौर (उ.प्र.) | २००५ |
| ५. | पूरा हिन्दुस्तान तिरंगा | डॉ. अजय जनमेजय | अविचलन प्रकाशन साहित्य-पूर्वा' ३/११, हाइडिल कॉलोनी, बिजनौर, २४६७०१(उ.प्र.) | २०१२ |
| ६. | हरा समुंदर, गोपी चंदर | डॉ. अजय जनमेजय | हिन्दी साहित्य निकेतन, बिजनौर (उ.प्र.) | २०१३ |
| ७. | जिनके घर में छोटे बच्चे | डॉ. मुरलीधर पाण्डेय | संयोग प्रकाशन मुंबई ४०११०५ (महाराष्ट्र) | २०१३ |
| ८. | मेंढक बोले टुर्रम टुर्र... | डॉ. मुरलीधर पाण्डेय | संयोग प्रकाशन मुंबई ४०११०५ (महाराष्ट्र) | २०१३ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ९. | रेल चली भई रेल चली | कृष्ण वल्लभ पौराणिक | सी. कृष्णवल्लभ पौराणिक | २००० |
| १०. | पतझर और नवल कोपलें | कृष्ण वल्लभ पौराणिक | सी. कृष्णवल्लभ पौराणिक | १९९८ |
| ११. | छुपन छुपाई | आचार्य भगवत दुबे | साहित्यिक उपक्रम पाथेय प्रकाशन जबलपुर (म.प्र.) | २०१५ |
| १२. | गीत स्वाभिमान के | आचार्य भगवत दुबे | साहित्यिक उपक्रम पाथेय प्रकाशन जबलपुर (म.प्र.) | २०१२ |
| १३. | अटकन-चटकन | आचार्य भगवत दुबे | समय प्रकाशन नई दिल्ली | २०११ |
| १४. | अक्कड़-बक्कड़ | आचार्य भगवत दुबे | समय प्रकाशन नई दिल्ली | २००९ |
| १५. | बालगीत सुमन | सुरेश चन्द्र 'सर्वहारा' | साहित्य सागर धामणी मार्केट की गली, चौड़ा रास्ता, जयपुर | २०१३ |
| १६. | बाल-गीत-पीयूष | सुरेश चन्द्र 'सर्वहारा' | साहित्य सागर धामणी मार्केट की गली, चौड़ा रास्ता, जयपुर | २०११ |
| १७. | बाल गीत निर्झर | सुरेश चन्द्र 'सर्वहारा' | अरावली प्रकाशन सी-३७, बर्फखाना, राजा पार्क, जयपुर | २०१५ |
| १८. | बाल गीत सुधा | सुरेश चन्द्र 'सर्वहारा' | साहित्य सागर धामणी मार्केट की गली, चौड़ा रास्ता, जयपुर | २०१० |
| १९. | बाल गीत वाटिका | सुरेश चन्द्र 'सर्वहारा' | साहित्य सागर धामणी मार्केट की गली, चौड़ा रास्ता, जयपुर | २०१३ |

# परिशिष्ट (ख)
# संदर्भ ग्रन्थ सूची

| क्र.सं. | सन्दर्भ ग्रन्थ | लेखिका/ सम्पादक/लेखक | प्रकाशक | प्रकाशन वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| १. | समकालीन हिन्दी बाल साहित्य | डॉ. सुचिता सेठ | अंकित पब्लिकेश्न, जयपुर | २०११ |
| २. | समकालीन हिन्दी बाल कविता | डॉ. राजेन्द्र कुमार शर्मा | फाल्गुनी प्रकाशन, दिल्ली | २०१३ |
| ३. | बाल कविता में सामाजिक सांस्कृतिक चेतना | डॉ. शिरोमणि सिंह 'पथ' | आशा प्रकाशन, कानपुर | २०१३ |
| ४. | हिन्दी बाल कविता की प्रवृत्तियाँ | डॉ. उदयसिंह 'उदय' | आशा, कानपुर | २०१४ |
| ५. | हिन्दी बाल साहित्य में मनोरंजन एवं नैतिकता | डॉ. रामशंकर आचार्य | आशा, कानपुर | २०१४ |
| ६. | हिन्दी बाल कविता में नए प्रयोग | डॉ. सुधा मिश्रा | जनवाणी, दिल्ली | २०१५ |
| ७. | बुन्देलखण्ड के साहित्यकारों का साहित्यिक अवदान | डॉ. छाया राहुल | आशा प्रकाशन कानपुर (उ.प्र.) | २०१३ |
| ८. | स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी बाल कविता में वैज्ञानिक चेतना | डॉ. डी.आर. राहुल | आराधना ब्रदर्स, कानपुर (उ.प्र.) | २०१५ |
| ९. | स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी बाल कविता में युगबोध | डॉ. उमा सरौनिया | आराधना ब्रदर्स, कानपुर (उ.प्र.) | २०१५ |
| १०. | पर्यावरण चेतना के एकांकी | घमंडी लाल अग्रवाल | सूर्य भारती प्रकाशन, दिल्ली | २०१४ |

# परिशिष्ट-(ग)
# पत्र-पत्रिकाएँ

| क्र.सं. | पत्र-पत्रिकाएँ | पता |
|---|---|---|
| १. | देवपुत्र | ४०, संवाद नगर,<br>इन्दौर, ४५२००१ (म.प्र.) |
| २. | बाल भारती | प्रकाशन विभाग<br>पटियाला हाउस,<br>नई दिल्ली, ११०००१ |
| ३. | बच्चों का देश | उषा कॉलोनी<br>मालवीय नगर,<br>जयपुर, राजस्थान ३०२००१ |
| ४. | बाल वाटिका | नदंभवन, कावांखेड़ा पार्क<br>भीलवाड़ा, ३११००१ (राज.) |
| ५. | हँसती दुनिया | निरंकारी मण्डल<br>निरंकारी कॉलोनी<br>दिल्ली ११०००६ |
| ६. | बालवाणी | हिन्दी भवन, हजरत गंज<br>६, महात्मा गांधी मार्ग,<br>लखनऊ-२२६००१ (उ.प्र.) |
| ७. | झिलमिल जुगनू | आरोग्य मंदिर परिसर,<br>आर.के. एवेन्यु, पटना<br>(बिहार) ८००००४ |
| ८. | बालहंस | ५-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र<br>जयपुर (राज.) पिन-३०२००४ |
| ९. | छोटू-मोटू | झालाना संस्थानिक क्षेत्र<br>जयपुर (राजस्थान) ३०२००४ |

| | | |
|---|---|---|
| १०. | बाल साहित्य समीक्षा | रामकृष्ण नगर<br>कानपुर, २००८१२ (उ.प्र.) |
| ११. | पाठक मंच बुलेटिन | नेशनल बुक ट्रस्ट<br>ग्रीन पार्क, ११००१६<br>(नई दिल्ली) |
| १२. | सुमन सौरभ | झंडेवाला एस्टेट<br>रानी झांसी मार्ग,<br>नई दिल्ली ११००५५ |
| १३. | नन्दन | १८-२०, कस्तूरबा गांधी,<br>नई दिल्ली १००००१ |
| १४. | दुलाराम नन्हा आकाश | हिल्स स्टेशन चौक<br>रायपुर (छत्तीसगढ़) |
| १५. | अपना बचपन | निकट कस्तूरबा स्कूल<br>जवाहर चौक, भोपाल<br>४६२००२ (म.प्र.) |
| १६. | बाल प्रहरी | जाखन देवी, अल्मोड़ा<br>(उत्तराखण्ड) ३६३६०१ |
| १७. | सामाजिक झरोखा | श्यामला हिल्स,<br>भोपाल (म.प्र.) ४६२००२ |
| १८. | बाल दर्शन | काका देव कानपुर<br>(उ.प्र.) २०८०१६ |
| १९. | मधु मुसकान | गुलाब हाउस, मायापुरी,<br>नई दिल्ली, १०००६४ |